WORKSHEET – 1

अध्याय- आत्मपरिचय (हरिवंश राय बच्चन)

Subject- Hindi core Class-12th

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आत्मपरिचय कविता के मूल भाव को पढ़कर एवं सुनकर समझते हुए लिखिए-

1. 'समाज से व्यक्ति का नाता खट्टा-मीठा होता है' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए|

2. मनुष्य की अस्मिता एवं उसकी पहचान का निर्माण समाज से ही होता है' पंक्ति का आशय समझाइए|

3. कवि दुनिया से प्रीति-कलह का सम्बन्ध बनाए हुए है और उसका जीवन विरुद्धों का सामंजस्य बन गया है| कवि ने ऐसा किन सन्दर्भों में कह रहा है?

4. संसार उन्हें कवि कहता है, लेकिन कवि स्वयं को संसार का नया दीवाना क्यों मानता है?

5. ‘आत्मपरिचय’ कविता के शीर्षक को समझाइए|

6. ‘दुनिया से हूँ, लेकिन दुनिया का तलबगार नहीं हूँ’, बाजार से गुजरा हूँ, लेकिन खरीददार नहीं हूँ’ पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए|

7. ‘शीतल वाणी में आग’ से क्या तात्पर्य है?

8. ‘रोदन में राग’ से क्या तात्पर्य है ?

9. ‘उन्मादों में अवसाद’ का आशय स्पष्ट कीजिए|

10. कवि किस बात की परवाह नहीं करता है?